हमारे जीवन में नक्षत्रों का भी उतना ही महत्त्व है जितना की नवग्रहों का, ऋषि मुनियों ने नभ मंडल को कल २७ नक्षत्र में बांटा हैं और प्रतीक राशि के अंतर्गत ३ नक्षत्र आते हैं।

पीड़ा परेशानी होने पर हम ग्रहों की पूजा, दान और जप तो करते हैं पर नक्षत्रों को भूल जाते हैं। यहाँ आपको नक्षत्रों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवा रहा हूँ जिसमें उनके वैदिक, पौराणिक मंत्र, नक्षत्र देवता के मंत्र और नक्षत्र मंत्र हैं। अपने नक्षत्र मंत्र के जप करके आप लाभ उठा सकते हैं उसे बलवान कर सकते हैं साथ ही नक्षत्र की वनस्पति के वृक्ष को लगाकर उसकी सेवा करके यानि नित्य जल देते हुए मंत्र जप कर लाभ ले सकते हैं और यदि किसी कारण से नक्षत्र लाभ न दे रहा हो तो उसे अपने पक्ष में लाभ देने वाला बना सकते हैं। आपका जन्म नक्षत्र कैसा है और आपके जीवन पर क्या प्रभाव दे रहा है इसके लिए किसी विद्वान पंडित जी या ज्योतिषी से सम्पर्क कर इस जानकारी का लाभ ले सकते हैं।

1। अश्विनी

नक्षत्र: अश्विनी

नक्षत्र देवता : अश्विनीकुमार

नक्षत्र स्वामी: केतु

नक्षत्र आराध्य वृक्ष : कुचला

राशी व्याप्ती : ४ हि चरण मेष राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: घोडा

नक्षत्र तत्व : वायु

नक्षत्र स्वभाव : शुभ

वेद मंत्र

ॐ अश्विनौ तेजसाचक्षु: प्राणेन सरस्वती वीर्य्यम वाचेन्द्रो

बलेनेन्द्राय दधुरिन्द्रियम । ॐ अश्विनी कुमाराभ्यो नम: ।

पौराणिक मंत्र:

अश्विनी देवते श्वेतवर्णो तौव्दिभुजौ स्तुमः

।सुधासंपुर्ण कलश कराब्जावश्च वाहनौ ॥

नक्षत्र देवता मंत्र:

अ)ॐअश्विनी कुमाराभ्यां नमः

आ) ॐ अश्विभ्यां नमः

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ अश्वयुगभ्यां नमः।

2। भरणी

नक्षत्र : भरणी

नक्षत्र देवता : यम - आद्य पितर

नक्षत्र स्वामी :शुक्र

नक्षत्र आराध्य वृक्ष : आँवला

राशी व्याप्ती : ४ हि चरण मेष राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी : हत्ती

नक्षत्र तत्व : अग्नी

नक्षत्र स्वभाव : क्रूर

वेद मंत्र

ॐ यमायत्वा मखायत्वा सूर्य्यस्यत्वा तपसे देवस्यत्वा सवितामध्वा

नक्तु पृथ्विया स गवं स्पृशस्पाहिअर्चिरसि शोचिरसि तपोसी।

पौराणिक मंत्र:

पाशदण्डं भुजव्दयं यमं महिष वाहनम l

यमं नीलं भजे भीमं सुवर्ण प्रतीमागतम्॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ यमाय् नमः।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ अपभरणीभ्यो नमः।

3 । कृतिका

नक्षत्र: कृतिका

नक्षत्र देवता : अग्नी

नक्षत्र स्वामी : रवि

नक्षत्र आराध्य वृक्ष : उंबर, औदुंबर

राशी व्याप्ती : १ले चरण मेष राशीमध्ये,

बाकीचे ३ चरण वृषभ राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: बकरी

```
नक्षत्र तत्व :अग्नी
```

नक्षत्र स्वभाव : क्रूर

वेद मंत्र

ॐ अयमग्नि सहत्रिणो वाजस्य शांति गवं

वनस्पति: मूर्द्धा कबोरीणाम । ॐ अग्नये नम: ।

पौराणिक मंत्र:

कृतिका देवतामाग्निं मेशवाहनं संस्थितम्।

स्त्रुक् स्तुवाभीतिवरधृक्सप्तहस्तं नमाम्यहम्॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ आग्नेय नमः l

नक्षत्र नाम मंत्र :ॐ कृतिकाभ्यो नमः

4। रोहिणी

नक्षत्र: रोहिणी

नक्षत्र देवता :ब्रम्हा

नक्षत्र स्वामी : चंद्र

नक्षत्र आराध्य वृक्ष :जामुन जांभळी, जांभू

राशी व्याप्ती : ४ हि चरण वृषभ राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: सर्प

नक्षत्र तत्व: पृथ्वी

नक्षत्र स्वभाव: शुभ

वेद मंत्र

ॐ ब्रहमजज्ञानं प्रथमं पुरस्ताद्विसीमत: सूरुचोवेन आव: सबुधन्या उपमा

अस्यविष्टा: स्तश्चयोनिम मतश्चविवाह (सतश्चयोनिमस्तश्चविध:)

पौराणिक मंत्र:

प्रजापतीश्वतुर्बाहुः कमंडल्वक्षसूत्रधृत् l

वराभयकरः शुध्दौ रोहिणी देवतास्तु मे ॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:-

```
अ) ॐ ब्रम्हणे नमः।
आ) ॐ प्रजापतये नमः॥
नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ रौहिण्यै नम:।
5 । मृगशिरा
नक्षत्र: मृगशिरा
नक्षत्र देवता: चंद्र
नक्षत्र स्वामी: मंगळ
नक्षत्र आराध्य वृक्ष : खैर (कात)
राशी व्याप्ती : २ चरण वृषभ राशीमध्ये,
बाकीचे २ चरण मिथुन राशीमध्ये
नक्षत्र प्राणी :सर्प
नक्षत्र तत्व: वायु
नक्षत्र स्वभाव: शुभ
वेद मंत्र
ॐ सोमधेनु गवं सोमाअवन्तुमाशु गवं सोमोवीर: कर्मणयन्ददाति
यदत्यविदध्य गवं सभेयम्पितृ श्रवणयोम । ॐ चन्द्रमसे नम:।
पौराणिक मंत्र:
श्वेतवर्णाकृतीः सोमो व्दिभुजो वरदण्डभृत् ।दशाश्वरथमारूढो मृगशिर्षोस्तु मे मुदे ॥
नक्षत्र देवता नाममंत्र :-
अ) ॐ चंद्रमसे नमः।
आ) ॐ सोमाय नमः।
नक्षत्र नाम मंत्र :- ॐ मृगशीर्षाय नमः।
6 ।आर्द्रा
नक्षत्र: आर्द्रा
नक्षत्र देवता : रुद्र (शिव)
```

नक्षत्र स्वामी : राहु

नक्षत्र आराध्य वृक्ष : कृष्णागरू,काला तेंदू

राशी व्याप्ती : ४ हि चरण मिथुन राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी : कुत्रा

नक्षत्र तत्व : जल

नक्षत्र स्वभाव : तीक्ष्ण

वेद मंत्र

ॐ नमस्ते रूद्र मन्यवSउतोत इषवे नम: बाहुभ्यां मुतते नम: ।

ॐ रुद्राय नम:।

पौराणिक मंत्र:

रुद्र श्वेतो वृशारूढः श्वेतमाल्यश्चतुर्भुजःl

शूलखड्गाभयवरान्दधानो मे प्रसीदतु ॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ रुद्राय नमः।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ आद्रियै नमः।

7 पुनर्वसु

नक्षत्र: पुनर्वसु

नक्षत्र देवता: अदिती

नक्षत्र स्वामी: गुरू

नक्षत्र आराध्य वृक्ष :बांस / बांबू

राशी व्याप्ती: 3 चरणे मिथुन राशीमध्ये,

बाकीचे १ चरण कर्क राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: मांजर

नक्षत्र तत्व: वायु

नक्षत्र स्वभाव: चर

वेद मंत्र

ॐ अदितिद्योरदितिरन्तरिक्षमदिति र्माता: स पिता स पुत्र:

विश्वेदेवा अदिति: पंचजना अदितिजातम अदितिर्रजनित्वम ।

```
ॐ आदित्याय नम: ।
पौराणिक मंत्र:
अदितीः पीतवर्णाश्च स्त्रुवाक्षकमण्डलून l
दधाना शुभदा मे स्यात पुनर्वसु कृतारव्या ॥
नक्षत्र देवता नाममंत्र :-
अ) ॐ आदित्यै नमः।
आ)ॐ आदितये नमः।
नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ आद्रियै नमः।
८) पुष्य
नक्षत्र: पुष्य
नक्षत्र देवता: गुरु
नक्षत्र स्वामी: शनि
नक्षत्र आराध्य वृक्ष: पिंपळ, पीपल
राशी व्याप्ती :४ हि चरण कर्क राशीमध्ये
नक्षत्र प्राणी :बकरी
नक्षत्र तत्व :अग्नी
नक्षत्र स्वभाव:शुभ
वेद मंत्र
ॐ बृहस्पते अतियदर्यी अर्हाद दुमद्विभाति क्रतमज्जनेषु ।
यददीदयच्छवस ॠतप्रजात तदस्मासु द्रविण धेहि चित्रम ।
ॐ बृहस्पतये नम:
पौराणिक मंत्र:
वंदे बृहस्पतिं पुष्यदेवता मानुशाकृतिम्।
सर्वाभरण संपन्नं देवमंत्रेण मादरात्॥
नक्षत्र देवता नाममंत्र :- ॐ बृहस्पतये नमः।
नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ पुष्याय नमः।
```

9) आश्लेषा

नक्षत्र:आश्लेषा

नक्षत्र देवता: सर्प

नक्षत्र स्वामी : बुध

नक्षत्र आराध्य वृक्ष: नागकेसर

राशी व्याप्ती :४ हि चरण कर्क राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी : मांजर

नक्षत्र तत्व : जल

नक्षत्र स्वभाव: तीक्ष्ण,शोक

वेद मंत्र

ॐ नमोSस्तु सर्पेभ्योये के च पृथ्विमनु:।

ये अन्तरिक्षे यो देवितेभ्यः सर्पेभ्यो नमः ।

ॐ सर्पेभ्यो नम:।

पौराणिक मंत्र:

सर्पोरक्त स्त्रिनेत्रश्च फलकासिकरद्वयः।

आश्लेषा देवता पितांबरधृग्वरदो स्तुमे ॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ सर्पेभ्यो नम:।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ आश्लेषायै नमः।

10) मघा

नक्षत्र: मघा

नक्षत्र देवता: पितर

नक्षत्र स्वामी: केतु

नक्षत्र आराध्य वृक्ष: बरगद

राशी व्याप्ती : ४ हि चरण सिंह राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: उंदीर

```
नक्षत्र तत्व: अग्नी
नक्षत्र स्वभाव :क्रुर, उग्र
वेद मंत्र
ॐ पितृभ्यः स्वधायिभ्य स्वाधानमः पितामहेभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधानमः ।
प्रपितामहेभ्य स्वधायिभ्य स्वधानमः अक्षन्न पितरोSमीमदन्तः
पितरोतितृपन्त पितर:शुन्धव्म । ॐ पितरेभ्ये नम: ।
पौराणिक मंत्र :
पितरः पिण्डह्स्ताश्च कृशाधूम्रा पवित्रिणः।
कुशलं द्घुरस्माकं मघा नक्षत्र देवताः॥
नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ पितृभ्यो नमः।
नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ मघायै नमः
11 )पुर्वा (फाल्गुनी)
नक्षत्र: पुर्वा (फाल्गुनी)
नक्षत्र देवता : भग
नक्षत्र स्वामी : शुक्र
नक्षत्र आराध्य वृक्ष : पलाश (पळस)
राशी व्याप्ती : ४ हि चरण सिंह राशीमध्ये
नक्षत्र प्राणी:उंदीर
नक्षत्र तत्व: क्रुर
नक्षत्र स्वभाव : शुभ
वेद मंत्र
ॐ भगप्रणेतर्भगसत्यराधो भगे मां धियमुदवाददन्न:।
भगप्रजाननाय गोभिरश्वैर्भगप्रणेतृभिर्नुवन्त: स्याम: ।
ॐ भगाय नम: ।
पौराणिक मंत्र:
भगं रथवरारुढं व्दिभुंज शंखचक्रकम्।
```

फाल्गुनीदेवतां ध्यायेत् भक्ताभीष्टवरप्रदाम् ॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ भगाय नमः।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ पुर्व फाल्गुनीभ्यां नमः।

12) उत्तरा (फाल्गुनी)

नक्षत्र:उत्तरा (फाल्गुनी)

नक्षत्र देवता : अर्यमा

नक्षत्र स्वामी: रवि

नक्षत्र आराध्य वृक्ष पाकड़

राशी व्याप्ती १ ले चरण सिंह राशीमध्ये,

बाकीचे ३ चरण कन्या राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: गाय

नक्षत्र तत्व :वायु

नक्षत्र स्वभाव: शुभ

वेद मंत्र

ॐ दैव्या वद्धर्व्यू च आगत गवं रथेन सूर्य्यतव्चा ।

मध्वायज्ञ गवं समञ्जायतं प्रत्नया यं वेनश्चित्रं देवानाम ।

ॐ अर्यमणे नम: ।

पौराणिक मंत्र:

संपूजयाम्यर्यमणं फाल्गुनी तार देवताम्।

धुम्रवर्णं रथारुढं सुशक्तिकरसंयुतम्॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र :- ॐ अर्यम्ने नमः

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ उत्तरा फाल्गुनीभ्यां नमः।

13) हस्त

नक्षत्र :हस्त

नक्षत्र देवता : सुर्य

नक्षत्र स्वामी : चंद्र

नक्षत्र आराध्य वृक्ष : ,चमेली रीठा

राशी व्याप्ती :४ हि चरण कन्या राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी : म्हैस

नक्षत्र तत्व : वायु

नक्षत्र स्वभाव: शुभ, सत्वगुणी

वेद मंत्र

ॐ विभ्राडवृहन्पिवतु सोम्यं मध्वार्य्युदधज्ञ पत्त व विहुतम

वातजूतोयो अभि रक्षतित्मना प्रजा पुपोष: पुरुधाविराजति ।

ॐ सावित्रे नम: ।

पौराणिक मंत्र:

सवितारहं वंदे सप्ताश्चरथ वाहनम्।

पद्मासनस्थं छायेशं हस्तनक्षत्रदेवताम्॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र :- ॐ सवित्रे नमः।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ हस्ताय नमः

14) चित्रा

नक्षत्र : चित्रा

नक्षत्र देवता: त्वष्टा

नक्षत्र स्वामी: मंगळ

नक्षत्र आराध्य वृक्ष: बेल

राशी व्याप्ती : २ चरण कन्या राशीमध्ये,

बाकीचे, २ चरण तुळ राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: वाघ

नक्षत्र तत्व : वायु

नक्षत्र स्वभाव: तीक्ष्ण

वेद मंत्र

ॐ त्वष्टातुरीयो अद्धुत इन्द्रागी पुष्टिवर्द्धनम ।

द्विपदापदायाः च्छन्द इन्द्रियमुक्षा गौत्र वयोदधु: ।

त्वष्द्रेनम: । ॐ विश्वकर्मणे नम: ।

पौराणिक मंत्र:

त्वष्टारं रथमारूढं चित्रानक्षत्रदेवताम्।

शंखचक्रान्वितकरं किरीटीनमहं भजे ॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ त्वष्ट्रे नम:।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ चित्रायै नम:।

15) स्वाती

नक्षत्र :स्वाती

नक्षत्र देवता: वायु

नक्षत्र स्वामी : राहु

नक्षत्र आराध्य वृक्ष: अर्जुन

राशी व्याप्ती : ४ हि चरण तुळ राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: म्हैस

नक्षत्र तत्व: अग्नी

नक्षत्र स्वभाव: शुभ

वेद मंत्र

ॐ वायरन्नरदि बुध: सुमेध श्वेत सिशिक्तिनो

युतामभि श्री तं वायवे सुमनसा वितस्थुर्विश्वेनर:

स्वपत्थ्या निचक्रु: । ॐ वायव नम: ।

पौराणिक मंत्र:

वायुवरं मृगारुढं स्वाती नक्षत्र देवताम्।

खड्.ग चर्मोज्वल करं धुम्रवर्ण नमाम्यह्म्॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ वायवे नमः।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ स्वात्यै नमः।

16) विशाखा

नक्षत्रः विशाखा

नक्षत्र देवता : इंद्राग्नी

नक्षत्र स्वामी : गुरू

नक्षत्र आराध्य वृक्ष: कटाई, नागकेशर

राशी व्याप्ती : पहिले 3 चरण तुळ राशीमध्ये,

बाकीचे १ चरण वृश्चिक राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी : वाघ

नक्षत्र तत्व : वायु

नक्षत्र स्वभाव: अशुभ

वेद मंत्र

ॐ इन्द्रान्गी आगत गवं सुतं गार्भिर्नमो वरेण्यम ।

अस्य पात घियोषिता । ॐ इन्द्रान्गीभ्यां नम: ।

पौराणिक मंत्र:

इंद्राग्नीशुभदौ स्यातां विशाखा देवतेशुभे।

नमोम्ये करथारुढौ वराभयकरांबुजौ l

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ इंद्राग्नीभ्यां नमः

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ विशाखाभ्यां नमः।

17) अनुराधा

नक्षत्र :अनुराधा

नक्षत्र देवता : मित्र

नक्षत्र स्वामी : शनि

नक्षत्र आराध्य वृक्ष :मौलश्री

राशी व्याप्ती : ४ हि चरण वृश्चिक राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: हरीण

नक्षत्र तत्व: पृथ्वी

```
नक्षत्र स्वभाव: शुभ
```

वेद मंत्र

ॐ नमो मित्रस्यवरुणस्य चक्षसे महो देवाय तदृत

गवं सपर्यत दूरंदृशे देव जाताय केतवे दिवस्पुत्राय सूर्योयश

गवं सत । ॐ मित्राय नम: ।

पौराणिक मंत्र:

मित्रं पद्मासनारूढं अनुराधेश्वरं भजे l

शूलां कुशलसद्भाहुं युग्मंशोणितवर्णकम् ॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ मित्राय नमः।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ अनुराधाभ्यो नमः।

18) जेष्ठा

नक्षत्र: जेष्ठा

नक्षत्र देवता: इंद्र

नक्षत्र स्वामी :बुध

नक्षत्र आराध्य वृक्ष: निर्गुडी/चीड़

राशी व्याप्ती : ४ हि चरण वृश्चिक राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: हरीण

नक्षत्र तत्व: पृथ्वी

नक्षत्र स्वभाव: तीक्ष्ण

वेद मंत्र

ॐ त्राताभिंद्रमबितारमिंद्र गवं हवेसुहव गवं शूरमिंद्रम वहयामि शक्रं

पुरुहूतभिंद्र गवं स्वास्ति नो मधवा धात्विन्द्र: । ॐ इन्द्राय नम: ।

पौराणिक मंत्र:

श्वेतहस्तिनमारूढं वज्रांकुशलरत्करम् I

सहस्त्रनेत्रं पीताभं इंद्रं ह्रदि विभावये॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ इंद्राय नमः।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ जेष्ठायै नम:।

19) मूळ

नक्षत्र:मूळ

नक्षत्र देवता: निऋति (राक्षस)

नक्षत्र स्वामी: केतु

नक्षत्र आराध्य वृक्ष : साल

राशी व्याप्ती : ४ हि चरण धनु राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: कुत्रा

नक्षत्र तत्व : जल

नक्षत्र स्वभाव: तीक्ष्ण

वेद मंत्र

ॐ मातेवपुत्रम पृथिवी पुरीष्यमग्नि गवं स्वयोनावभारुषा तां

विश्वेदैवऋतुभि: संविदान: प्रजापति विश्वकर्मा विमुञ्च्त ।

ॐ निॠतये नम: ।

पौराणिक मंत्र: खड्.गखेटधरं कृष्णं यातुधानं नृवाहनम् l

अर्ध्वकेशं विरुपाक्षं भजे मुलाधिदेवताम्॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ निॠतये नमः।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ मुलाय नमः।

20) पूर्वाषाढा

नक्षत्र: पूर्वाषाढा

नक्षत्र देवता: जल/ उदक

नक्षत्र स्वामी: शुक्र

नक्षत्र आराध्य वृक्ष: वेत

राशी व्याप्ती : ४ हि चरण धनु राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी:वानर

नक्षत्र तत्व: जल

नक्षत्र स्वभाव: उग्र

वेद मंत्र

ॐ अपाघ मम कील्वषम पकृल्यामपोरप: अपामार्गत्वमस्मद

यदुः स्वपन्य-सुवः । ॐ अदुभ्यो नमः ।

पौराणिक मंत्र:

आषाढदेवता नित्यमापः सन्तु शुभावहाः।

समुद्र गास्तरा गिणोल्हादिन्यःसर्वदेहिनाम्॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ अद्भयो नमः।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ पूर्वाषाढाभ्यां नम:।

21) उत्तराषाढा

नक्षत्र: उत्तराषाढा

नक्षत्र देवता: विश्वदेव

नक्षत्र स्वामी: रवि

नक्षत्र आराध्य वृक्ष :फणस, कटहल

राशी व्याप्ती : पहिले चरण धनु राशीमध्ये,

बाकीचे ३ चरण मकर राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: मुंगुस

नक्षत्र तत्व: पृथ्वी

नक्षत्र स्वभाव: स्थिर

वेद मंत्र

ॐ विश्वे अद्य मरुत विश्वSउतो विश्वे भवत्यग्नय: सिमद्धा:

विश्वेनोदेवा अवसागमन्तु विश्वेमस्तु द्रविणं बाजो अस्मै ।

पौराणिक मंत्र:

विश्वांदेवान् अहं वंदेषाढनक्षत्रदेवताम्।

श्रीपुष्टिकीर्तीधीदात्री सर्वपापानुमुक्तये ॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ विश्वेभ्यो देवेभ्यो नमः।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ उत्तराषाढाभ्यां नम:।

22) श्रवण

नक्षत्र: श्रवण

नक्षत्र देवता: विष्णु

नक्षत्र स्वामी: चंद्र

नक्षत्र आराध्य वृक्ष: रुई (अर्क) मंदार

राशी व्याप्ती : ४ हि चरण मकर राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: वानर

नक्षत्र तत्व: पृथ्वी

नक्षत्र स्वभाव: चर

वेद मंत्र

ॐ विष्णोरराटमसि विष्णो श्रपत्रेस्थो विष्णो स्युरसिविष्णो

धुर्वोसि वैष्णवमसि विष्नवेत्वा । ॐ विष्णवे नम: ।

पौराणिक मंत्र:

शांताकारं चतुर्हस्तं श्रोणा नक्षत्रवल्लभम्।

विष्णु कमलपत्राक्षं ध्यायेद् गरुड वाहन्॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ विष्णवे नमः।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ श्रवणाय नम:।

23) धनिष्ठा

नक्षत्र: धनिष्ठा

नक्षत्र देवता :वसु

नक्षत्र स्वामी: मंगळ

नक्षत्र आराध्य वृक्ष: शमी

राशी व्याप्ती: पहिले २ चरण मकर राशीमध्ये,

बाकीचे २ चरण कुंभ राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: सिंह

```
नक्षत्र तत्व: पृथ्वी
```

नक्षत्र स्वभाव: थोडेसे शुभ

वेद मंत्र

ॐ वसो:पवित्रमसि शतधारंवसो: पवित्रमसि सहत्रधारम ।

देवस्त्वासविता पुनातुवसो: पवित्रेणशतधारेण सुप्वाकामधुक्ष: ।

ॐ वसुभ्यो नम: ।

पौराणिक मंत्र

श्राविष्ठादेवतां वंदे वसुन्वरधराश्रिताम्।

शंखचक्रांकितरांकिरीटांकित मस्तकाम्॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ वसुभ्यो नमः।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ धनिष्ठायै नम:।

24) शतभिषा

नक्षत्र: शतभिषा

नक्षत्र देवता: वरुण

नक्षत्र स्वामी: राहु

नक्षत्र आराध्य वृक्ष :कदंब

राशी व्याप्ती : ४ हि चरण कुंभ राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: घोडा

नक्षत्र तत्व: जल

नक्षत्र स्वभाव: चर

वेद मंत्र

ॐ वरुणस्योत्त्मभनमसिवरुणस्यस्कुं मसर्जनी स्थो वरुणस्य

ॠतसदन्य सि वरुण स्यॠतमदन ससि वरुणस्यॠतसदनमसि ।

ॐ वरुणाय नम: ।

पौराणिक मंत्र:

वरुणं सततं वंदे सुधाकलश धारीणम्।

पाशहस्तं शतभिशग् देवतां देववंदीतम ॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ वरुणाय नमः

नक्षत्र नाम मंत्र :- ॐ शतभिषजे नमः

25) पुर्वाभाद्रपदा

नक्षत्र: पुर्वाभाद्रपदा

नक्षत्र देवता: अजैक चरण

नक्षत्र स्वामी: गुरू

नक्षत्र आराध्य वृक्ष: आंबा, आम

राशी व्याप्ती : पहिले ३ चरण कुंभ राशीमध्ये,

बाकीचे १ चरण मीन राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी :सिंह

नक्षत्र तत्व: अग्नी

नक्षत्र स्वभाव: उग्र

वेद मंत्र

ॐ उतनाहिर्वुधन्य: श्रृणोत्वज एकपापृथिवी समुद्र: विश्वेदेवा

ॠता वृधो हुवाना स्तुतामंत्रा कविशस्ता अवन्तु ।

ॐ अजैकपदे नम:।

पौराणिक मंत्र:

शिरसा महजं वंदे ध्येकपादं तमोपहम्।

मुदे प्रोष्ठपदेवानं सर्वदेवनमस्कृतम् ॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र :-

ॐ अजैकपदे नमः।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ पुर्वाप्रोष्ठपद्भ्यां नमः।

26) उत्तराभाद्रपदा

नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा

नक्षत्र देवता : अहिर्बुंधन्य

```
नक्षत्र स्वामी: शनि
```

नक्षत्र आराध्य वृक्ष:नीम

राशी व्याप्ती : ४ ही चरण मीन राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी: गायक

नक्षत्र तत्व : जल

नक्षत्र स्वभाव : ध्रुव

वेद मंत्र

ॐ शिवोनामासिस्वधितिस्तो पिता नमस्तेSस्तुमामाहि गवं सो

निर्वत्तयाम्यायुषेSत्राद्याय प्रजननायर रायपोषाय (सुप्रजास्वाय) ।

पौराणिक मंत्र:

अहिर्मे बुध्नियो भूयात मुदे प्रोष्ठ पदेश्वरः।

शंखचक्रांकीतकरः किरीटोज्वलमौलिमान्॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ अहिर्बुंधन्याय नमः।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ उत्तरप्रोष्ठपदभ्यां नमः।

27) रेवती

नक्षत्र : रेवती

नक्षत्र देवता :पूषा

नक्षत्र स्वामी :बुध

नक्षत्र आराध्य वृक्ष: महुआ

राशी व्याप्ती : ४ ही चरण मीन राशीमध्ये

नक्षत्र प्राणी : हत्ती

नक्षत्र तत्व: जल

नक्षत्र स्वभाव: मृदु

वेद मंत्र

ॐ पूषन तव व्रते वय नरिषेभ्य कदाचन ।

स्तोतारस्तेइहस्मसि । ॐ पूषणे नम: ।

पौराणिक मंत्र:

पूषणं सततं वंदे रेवतीशं समृध्दये।

वराभयोज्वलकरं रत्नसिंहासने स्थितम् ॥

नक्षत्र देवता नाममंत्र:- ॐ पूष्णे नम:।

नक्षत्र नाम मंत्र:- ॐ रेवत्यै नमः।